1 ओंकार सतिनाम श्री वाहिगुरु।।

श्री मुखवाक पातिसाही

जापु साहिब

GOBINDSADAN.ORG

गोबिन्द सदन

गदाईपुर, महरौली

नई दिल्ली - 110030

श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी

ੴ ओंकार सतिनाम श्री वाहिगुरू॥

श्री मुखवाक पातिसाही १०

जापु साहिब

GOBINDSADAN.ORG

प्रकाशक

गोबिन्द सदन

महरौली, नई दिल्ली-110 030

फोन : 26802251, 26802937, 26809542

जापु साहिब

१ओंकार सतिगुर प्रसादि॥

॥जापु ॥

॥श्री मुखवाक पातिसाही १०॥

छपै छंद॥ त्व प्रसादि॥

चक्र चिहन अरु बरन जाति
अरु पाति नहिंन जिह॥
रूप रंग अरु रेख भेख
कोऊ कहि न सकति किह॥
अचल मूरति अनुभउ प्रकास
अमितोज कहिजै॥
कोटि इन्द्र इन्द्राणि

साहि साहाणि गणिजै॥
त्रिभवन महीप सुर नर असुर
नेति नेति बन तृण कहत॥
त्व सरब नाम कथै कवन
करम नाम बरनत सुमति॥१॥

भुजंग प्रयात छंद॥

नमसत्वं अकाले॥ नमसत्वं कृपाले॥
नमसतं अरूपे॥ नमसतं अनूपे॥२॥
नमसतं अभेखे॥ नमसतं अलेखे॥
नमसतं अकाए॥ नमसतं अजाए॥३॥
नमसतं अगंजे॥ नमसतं अभंजे॥
नमसतं अनामे॥ नमसतं अठामे॥४॥
नमसतं अकरमं॥ नमसतं अधरमं॥

नमसतं अनामं॥ नमसतं अधामं॥५॥
नमसतं अजीतें॥ नमसतं अभीते॥
नमसतं अबाहे॥ नमसतं अढाहे॥६॥
नमसतं अनीले॥ नमसतं अनादे॥
नमसतं अछेदे॥ नमसतं अगाधे॥७॥
नमसतं अगंजे॥ नमसतं अभंजे॥
नमसतं उदारे॥ नमसतं अपारे॥८॥
नमसतं सु एकै॥ नमसतं अनेकै॥
नमसतं अभूते॥ नमसतं अजूपे॥९॥
नमसतं न्रिकरमे॥ नमसतं न्रिभरमे॥
नमसतं न्रिदेसे॥ नमसतं न्रिभेसे॥१०॥
नमसतं न्रिनामे॥ नमसतं न्रिकामे॥
नमसतं न्रिधाते॥ नमसतं न्रिघाते॥११॥

नमसतं त्रिधूते॥ नमसतं अभूते॥
नमसतं अलोके॥
नमसतं असोके॥१२॥
नमसतं त्रितापे॥ नमसतं अथापे॥
नमसतं त्रिमाने॥
नमसतं निधाने॥१३॥
नमसतं अगाहे॥ नमसतं अबाहे॥
नमसतं त्रिबरगे॥
नमसतं असरगे॥१४॥
नमसतं प्रभोगे॥ नमसतं सुजोगे॥
नमसतं अरंगे॥
नमसतं अभंगे॥१५॥
नमसतं अगंमे॥ नमसतसतु रंमे॥

नमसतं जलासरे॥
नमसतं निरासरे॥१६॥
नमसतं अजाते॥ नमसतं अपाते॥
नमसतं अमजबे॥
नमसतसतु अजबे॥१७॥
अदेसं अदेसे॥ नमसतं अभेसे॥
नमसतं त्रिधामे॥
नमसतं त्रिबामे॥१८॥
नमो सरब काले॥
नमो सरब दिआले॥
नमो सरब रूपे॥
नमो सरब भूपे॥१६॥
नमो सरब खापे॥ नमो सरब थापे॥

नमो सरब काले॥
नमो सरब पाले॥२०॥
नमसतस्सतु देवै ।। नमसतं अभेवै॥
नमसतं अजनमे॥
नमसतं सुबनमे॥२१॥
नमो सरब गउने॥
नमो सरब भउने॥
नमो सरब रंगे॥
नमो सरब भंगे॥२२॥
नमो काल काले॥
नमसतस्सतु दिआले ।।
नमसतं अबरने॥
नमसतं अमरने॥२३॥

नमसतं जरारं॥ नमसतं क्रितारं॥
नमो सरब धंधे॥
नमो सत अबंधे॥२४॥
नमसतं त्रिसाके॥ नमसतं त्रिबाके॥
नमसतं रहीमे॥
नमसतं करीमे॥२५॥
नमसतं अनंते॥ नमसतं महंते॥
नमसतस्सतु रागे॥
नमसतं सुहागे॥२६॥
नमो सरब सोखं॥ नमो सरब पोखं॥
नमो सरब करता॥
नमो सरब हरता॥२७॥
नमो जोग जोगे॥ नमो भोग भोगे॥

नमो सरब दिआले॥
नमो सरब पाले॥२८॥

चाचरी छंद॥ त्व प्रसादि॥

अरूप हैं॥ अनूप हैं॥
अजू हैं॥ अभू हैं॥२९॥
अलेख हैं॥ अभेख हैं॥
अनाम हैं॥ अकाम हैं॥३०॥
अधे हैं॥ अभे हैं॥
अजीत हैं॥ अभीत हैं॥३१॥
त्रिमान है॥ निधान हैं॥
त्रिबरग हैं॥ असरग हैं॥३२॥
अनील हैं॥ अनादि हैं॥

अजे हैं॥ अजादि हैं॥३३॥
अजनम हैं॥ अबरन हैं॥
अभूत हैं॥ अभरन हैं॥३४॥
अगंज हैं॥ अभंज हैं॥
अझूझ हैं॥ अझंझ हैं॥३५॥
अमीक हैं॥ रफ़ीक हैं॥
अधंध हैं॥ अबंध हैं॥३६॥
न्रिबूझ हैं॥ असूझ हैं॥
अकाल हैं॥ अजाल हैं॥३७॥
अलाह हैं॥ अजाह हैं॥
अनंत हैं॥ महंत हैं॥३८॥
अलीक हैं॥ न्रिस्रिक हैं॥
न्रिलंभ हैं॥ असभ हैं॥३९॥

अगंम हैं॥ अजंम हैं॥
अभूत्त हैं॥ अछूत हैं॥४०॥
अलोक हैं॥ असोक हैं॥
अक्रम हैं॥ अभरम हैं॥४१॥
अजीत हैं॥ अभीत हैं॥
अबाह हैं॥ अगाह हैं॥४२॥
अमान हैं॥ निधान हैं॥
अनेक हैं॥ फिर ऐक हैं॥४३॥

भुजंग प्रयात छंद॥

नमो सरब माने॥ समसती निधाने॥
नमो देव देवे॥ अभेखी अभेवे॥४४॥
नमो काल काले॥ नमो सरब पाले॥
नमो सरब गउणे॥

नमो सरब भउणे॥४५॥
अनंगी अनाथे॥ त्रिसंगी प्रमाथे॥
नमो भान भाने॥ नमो मान माने॥४६॥
नमो चंद्र चंद्रे नमो भान भाने॥
नमो गीत गीते नमो तान ताने॥४७॥
नमो त्रित त्रिते नमो नाद नादे
नमो पान पाने नमो बाद बादे॥४८॥
अनंगी अनामे समसती सरूपे॥
प्रभंगी प्रमाथे समसती बिभूते॥४९॥
कलंकं बिना नेहकलंकी सरूपे॥
नमो राज राजेस्वरं परम रूपे॥५०॥
नमो जोग जोगेस्वरं परम सिद्धे॥
नमो राज राजेस्वरं परम ब्रिधे॥५१॥

नमो ससत्र पाणे॥ नमो असत्र माणे॥
नमों परम ज्ञाता॥
नमो लोक माता॥५२॥
अभेखी अभरमी अभोगी अभुगते॥
नमो जोग जोगेस्वरं
परम जुगते॥५३॥
नमो नित नाराइणे क्रूर करमे॥
नमो प्रेत अप्रेत देवे सुधरमे॥५४॥
नमो रोग हरता नमो राग रूपे॥
नमो साह साहं नमो भूप भूपे॥५५॥
नमो दान दाने नमो मान माने॥
नमो रोग रोगे नमसतँ इसनानँ॥५६॥
नमो मंत्र मंत्रं नमो जंत्र जंत्रं॥

नमो इसट इसटे नमो तन्त्र तन्त्रं॥५७॥
सदा सचिदानंद सरबं प्रणासी॥
अनूपे अरूपे
समसतुल निवासी॥५८॥
सदा सिधदा बुधदा ब्रिध करता॥
अधो उरध अरधं
अघं ओघ हरता॥५९॥
परं परम परमेस्वरं प्रोछ पालं॥
सदा सरब दा सिध दाता दयालं॥६०॥
अछेदी अभेदी अनामं अकामं॥
समसतो पराजी समसतसतु धामं॥६१॥

तेरा जोरु॥ चाचरी छंद॥

जले हैं॥ थले हैं॥

अभीत हैं॥ अभे हैं॥६२॥
प्रभू हैं॥ अजू हैं॥
अदेस हैं॥ अभेस हैं॥६३॥

भुजंग प्रयात छंद॥

अगाधे अबाधे॥ .अनंदी सरूपे॥
नमो सरब माने॥
समसती निधाने॥६४॥
नमसत्वं त्रिनाथे॥ नमसत्वं प्रमाथे॥
नमसत्वं अगंजे॥
नमसत्वं अभंजे॥६५॥
नमसत्वं अकाले॥ नमसत्वं अपाले॥
नमो सरब देसे॥
नमो सरब भेसे॥६६॥

नमो राज राजे॥ नमो साज साजे॥
नमो साह साहे॥
नमो माह माहे॥६७॥
नमो गीत गीते॥ नमो प्रीत प्रीते॥
नमो रोख रोखे॥
नमो सोख सोखे॥६८॥
नमो सरब रोगे॥ नमो सरब भोगे॥
नमो सरब जीतं॥
नमो सरब भीतं॥६९॥
नमो सरब ज्ञानं॥
नमो परम तानं॥
नमो सरब मन्त्रं॥
नमो सरब जन्त्रं॥७०॥

नमो सरब द्रिसं॥
नमो सरब क्रिसं॥
नमो सरब रंगे॥
त्रिभंगी अनंगे॥७१॥
नमो जीव जीवं नमो बीज बीजे॥
अखिज्जे अमिज्जे समसतँ प्रसिज्जे॥७२॥
क्रिपालं सरूपे कुकरमं प्रणासी॥
सदा सरबदा रिधि सिधं निवासी॥७३॥

चरपट छंद॥ त्व प्रसादि॥

अंम्रित करमे॥ अंब्रित धरमे॥
अक्खल जोगे॥अच्चल भोगे॥७४॥७४॥
अचल्ल राजे॥ अटल्ल साजे॥

अखल्ल धरमं॥
अल्लख करमं॥७५॥
सरबं दाता॥ सरबं ज्ञाता॥
सरबं भाने॥ सरबं माने॥७६॥
सरबं प्राणं॥ सरबं त्राणं॥
सरबं भुगता॥ सरबं जुगता॥७७॥
सरबं देवं॥ सरबं भेवं॥
सरबं काले॥ सरबं पाले॥७८॥

रूआल छंद॥ त्व प्रसादि॥

आदि रूप अनादि मूरति
अजोनि पुरख अपार॥
सरब मान त्रिमान देव

अभेव आदि उदार॥
सरब पालक सरब घालक
सरब को पुनि काल॥
जत्र तत्र बिराजही
अवधूत रूप रसाल॥७६॥

नाम ठाम न जात जाकर
रूप रंग न रेख॥
आदि पुरख उदार मूरति
अजोनि आदि असेख॥
देस और न भेस जाकरि
रूप रेख न राग॥
जत्र तत्र दिसा विसा
हुइ फैलिओ अनुराग॥८०॥

नाम काम बिहीन पेखत
धाम हूँ नहि जाहि॥
सरब मान सरबत्र मान
सदैव मानत ताहि॥
एक मूरति अनेक दरसन
कीन रूप अनेक॥
खेल खेल अखेल खेलन
अंत को फिरि एक॥८१॥
देव भेव न जानही
जिह बेद और कतेब॥
रूप रंग न जाति पाति
सु जानई किंह जेब॥
तात मात न जात जाकरि

जनम मरन बिहीन॥
चक्र बक्र फिरै चत्र
चक मान ही पुर तीन॥८२॥
लोक चउदह के बिखै
जगु जाप ही जिंह जाप॥
आदि देव अनादि मूरति
थाप्यो सभै जिंह थाप॥
परम रूप पुनीत मूरति
पूरन पुरखु अपार॥
सरब बिस्व रचिओ
सुयंभव गड़न भंजनहार॥८३॥
काल हीन कला संजुगति
अकाल पुरख अदेस॥

धरम धाम सु भरम रहत
अभूत अलख अभेस॥
अंग राग न रंग जाकह
जाति पाति न नाम॥
गरब गंजन दुसट भंजन
मुकति दाइक काम॥८४॥
आप रुप अमीक अन उसतति
एक पुरख अवधूत॥
गरब गंजन सरब भंजन
आदि रूप असूत॥
अंग हीन अभंग अनातम
एक पुरख अपार॥
सरब लाइक सरब घाइक

सरब को प्रतिपार॥८५॥
सरब गंता सरब हंता
सरब ते अनभेख॥
सरब सासत्र न जान ही
जिह रूप रंग अरु रेख॥
परम बेद पुराण जाकहि
नेत भाखत नित्त॥ ।
कोटि सिंम्रिति पुरान सासत्र
न आवई वहु चित्ति॥८६॥

मधुभार छंद॥ त्व प्रसादि॥

गुन गन उदार॥ महिमा अपार॥
आसन अभंग॥ उपमा अनंग॥८७॥

अनुभउ प्रकास॥ निस दिन अनास॥
आजान बाहु॥ साहान साहु॥८८॥
राजान राज॥ मानान मान॥ ॥
देवान देव॥ उपमा महान॥८९॥
इंद्रान इंद्र॥ बालान बाल॥
रंकान रंक॥ कालान काल॥९०॥
अनभूत अंग॥ आभा अभंग॥
गति मिति अपार॥
गुन गन उदार॥९१॥
मुनि गनि प्रनाम॥ निरभै निकाम॥
अति दुति प्रचंड॥
मिति गति अखंड॥९२॥
आलिस्य करम॥ आद्रिस्य धरम॥

सरबा भरणाद्य॥
अनडंड बाद्य॥६३॥

चाचरी छंद॥ त्व प्रसाद॥

गुबिंदे॥ मुकंदे॥
उदारे॥ अपारे॥६४॥
हरीअं॥ करीअं॥
न्रिनामे॥ अकामे॥६५॥

भुजंग प्रयात छंद॥

चत्र चक्र करता॥
चत्रु चक्र हरता॥
चत्र चक्र दाने॥
चत्रु चक्र जाने॥६६॥

चत्र चक्क्र वरती ॥
चत्रु चक्क्र भरती ॥
चत्र चक्क्र पाले ॥
चत्रु चक्क्र काले ॥ ६७ ॥
चत्र चक्क्र पासे ॥
चत्रु चक्क्र वासे ॥
चत्र चक्क्र मान्यै ॥
चत्रु चक्क्र दान्यै ॥ ६८ ॥

चाचरी छंद॥

न सत्रै॥ न मित्रै॥
न भरमं॥ न भित्रै॥ ६६॥
न करमं॥ न काए॥

अजनमं॥ अजाए॥१००॥

न चित्रै॥ न मित्रै॥

परे है॥ पवित्रै॥१०१॥

प्रिथीसै॥ अदीसै॥

अद्रिसै॥ अक्रिसै॥१०२॥

भगवती छंद॥ त्व प्रसादि कथते॥

कि आछिज देसै॥

कि आभिज भेसै॥

कि आगंज करमै॥

कि आभंज भरमै॥१०३॥

कि आभिज लोकै॥

कि आदित्त सोकै॥

कि अवधूत बरनै॥

कि बिभूत करनै॥१०४॥
कि राजं प्रभा हैं॥
कि धरमं धुजा हैं॥
कि आसोक बरनै॥
कि सरबा अभरनै॥१०५॥
कि जगत क्रिती हैं॥
कि छत्रं छत्री हैं॥
कि ब्रहमं सरूपै॥
कि अनुभउ अनूपै॥१०६॥
कि आदि अदेव हैं॥
कि आपि अभेव हैं॥
कि चित्रं बिहीनै॥
कि एकै अधीनै॥१०७॥

कि रोजी रजाके॥
रहीमै रिहाकै॥
कि पाक बिऐब हैं॥
कि ग़ैबुल ग़ैब हैं॥१०८॥
कि अफवुल गुनाह हैं॥
कि शाहान शाह हैं॥
कि कारन कुनिंद हैं॥
कि रोज़ी दिहंद हैं॥१०९॥
कि राज़क रहीम हैं॥
कि करमं करीम हैं॥
कि सरबं कली हैं॥
कि सरबं दली हैं॥११०॥
कि सरबत्र मान्यै॥

कि सरबत्र दान्यै॥
कि सरबत्र गउनै॥
कि सरबत्र भउनै॥१११॥
कि सरबत्र देसै॥
कि सरबत्र भेसै॥
कि सरबत्र राजै॥
कि सरबत्र साजै॥११२॥
कि सरबत्र दीनै॥
कि सरबत्र लीनै॥
कि सरबत्र जाहो॥
कि सरबत्र भाहो॥११३॥
कि सरबत्र देसै॥
कि सरबत्र भेसै॥

कि सरबत्र कालै॥
कि सरबत्र पालै॥११४॥
कि सरबत्र हंता॥
कि सरबत्र गंता॥
कि सरबत्र भेखी॥
कि सरबत्र पेखी॥११५॥
कि सरबत्र काजै॥
कि सरबत्र राजै॥
कि सरबत्र सोखै॥
कि सरबत्र पोखै॥११६॥
कि सरबत्र त्राणै॥
कि सरबत्र प्राणै॥
कि सरबत्र देसै॥

कि सरबत्र भेसै॥११७॥
कि सरबत्र मान्यै॥
सदैवं प्रधान्यै॥
कि सरबत्र जाप्यै॥
कि सरबत्र थाप्यै॥११८॥
कि सरबत्र भानै॥
कि सरबत्र मानै॥
कि सरबत्र इन्द्रै॥
कि सरबत्र चन्द्रै॥११९॥
कि सरबं कलीमै॥
कि परमं फहीमै॥
कि आकल अलामै॥
कि साहिब कलामै॥१२०॥

कि हुसनुल वजू हैं॥
तमामुल रुजू हैं॥ हमेसुल सलामै॥
सलीखत मुदामै॥१२१॥
गनीमुल शिकसतै॥ गरीबुल परसतै॥
बिलंदुल मकानैं॥
ज़िमीनुल जमानै॥१२२॥
तमीज़ुल तमामै॥ रुजूअल निधानै॥
हरीफुल अजीमै॥
रज़ाइक यकीनै॥१२३॥
अनेकुल त्तरंग हैं॥
अभेद हैं अभंग हैं॥
अजीजुल निवाज़ हैं॥
गनीमुल खिराज हैं॥१२४॥

निरुकति सरूप हैं॥
त्रिमुकति बिभूत हैं॥
प्रभुगति प्रभा हैं॥
सुजुगति सुधा हैं॥१२५॥
सदैवं सरूप हैं॥ अभेदी अनूप हैं॥
समसतो पराज हैं॥
सदा सरब साज हैं॥१२६॥
समसतुल सलाम हैं॥
सदैवल अकाम हैं॥
न्निबाध सरूप हैं॥
अगाधि हैं अनूप हैं॥१२७॥
ओअं आदि रूपै॥ अनादि सरूपै॥
अनंगी अंनामे॥

त्रिभंगी त्रिकामे॥१२८॥

त्रिबरगं त्रिबाधे॥ अगंजे अगाधे॥
सुभं सरब भागे॥
सु सरबा अनुरागे॥१२९॥
त्रिभुगत सरूप है॥
अछिज हैं अछूत हैं॥
कि नरकं प्रणास हैं॥
प्रिथीउल प्रवास हैं॥१३०॥

निरुकति प्रभा हैं॥
सदैवं सदा हैं॥
बिभुगति सरूप हैं॥
प्रजुगति अनूप हैं॥१३१॥
निरुकति सदा हैं॥

बिभुगति प्रभा हैं॥
अनुकति सरूप हैं॥
प्रजुगति अनूप हैं॥१३२॥

चाचरी छंद॥

अभंग हैं॥ अनंग हैं॥
अभेख हैं॥ अलेख हैं॥१३३॥
अभरम हैं॥ अकरम हैं॥
अनादि हैं॥ जुगादि हैं॥१३४॥
अजै हैं॥ अभै हैं॥
अभूत हैं॥ अधूत हैं॥१३५॥
अनास हैं॥ उदास हैं॥
अधंध हैं॥ अबंध हैं॥१३६॥
अभगत हैं॥ बिरकत हैं॥

अनास हैं॥ प्रकास हैं॥१३७॥
निचिंत हैं॥ सुनिंत हैं॥
अलिख हैं॥ अदिख हैं॥१३८॥
अलेख हैं॥ अभेख हैं॥
अढाह हैं॥ अगाह हैं॥१३९॥
असंभ हैं॥ अगंभ हैं॥
अनील हैं॥ अनादि हैं॥१४०॥
अनित्त हैं॥ सुनित्त हैं॥
अजाति हैं॥ अजादि हैं॥१४१॥

चरपट छंद॥ त्व प्रसादि॥

सरबं हंता॥ सरबं गंता॥
सरबं ख्याता॥ सरबं ज्ञाता॥१४२॥
सरबं हरता॥ सरबं करता॥

सरबं प्राणं॥ सरबं त्राणं॥१४३॥
सरबं करमं॥ सरबं धरमं॥
सरबं जुगता॥ सरबं मुकता॥१४४॥

रसावल छंद॥ त्व प्रसादि॥

नमो नरक नासे॥ सदैवं प्रकासे॥
अनंगं सरूपे॥ अभंगं बिभूते॥१४५॥
प्रमाथं प्रमाथे॥ सदा सरब साथे॥
अगाधि सरूपे॥
त्रिबाधि बिभुते॥१४६॥
अनंगी अनामे॥ त्रिभंगी त्रिकामे॥
त्रिभंगी सरूपे॥
सबंगी अनूपे॥१४७॥

न पोत्रै न पुत्रै॥ न सत्रै न मित्रै॥
न तातै न मातै॥
जातै न पातै॥१४८॥
त्रिसाकं सरीक हैं॥
अमितो अमीक हैं॥
सदैवं प्रभा हैं॥
अजै हैं अजा हैं॥१४९॥

भगवती छंद॥ त्व प्रसादि॥

कि ज़ाहर ज़हूर हैं॥
कि हाज़र हजूर हैं॥
हमेसुल सलाम हैं॥
समसतुल कलाम हैं॥१५०॥

कि साहिब दिमाग़ हैं॥
कि हुसनल चराग हैं॥
कि कामल करीम हैं॥
कि राज़क रहीम हैं॥१५१॥
कि रोज़ी दहिंद हैं॥
कि राज़क रहिंद हैं॥
करीमुल कमाल हैं॥
कि हुसनुल जमाल हैं॥१५२॥
ग़नीमुल खिराज हैं॥
ग़रीबुल निवाज़ हैं॥
हरीफुल शिकंन हैं॥
हिरासुल फिकंन हैं॥१५३॥
कलंकँ प्रणास हैं॥

समसतुल निवास हैं॥
अगंजुल ग़नीम हैं॥
रज़ाइक रहीम हैं॥१५४॥

समसतुल जुबां हैं॥
कि साहिब किरां हैं॥
कि नरकं प्रणास हैं॥
बहिसतुल निवास हैं॥१५५॥

कि सरबुल गवंन हैं॥
हमेसुल रवंन हैं॥
तमामुल तमीज़ हैं॥
समसतुल अज़ीज़ हैं॥१५६॥

परं परम ईस हैं॥
समसतुल अदीस हैं॥

अदेसुल अलेख हैं॥
हमेसुल अभेख हैं॥१५७॥
ज़िमीनुल ज़मा हैं॥
अमीकुल इमा हैं॥
करीमुल कमाल हैं॥
कि जुरअति जमाल हैं॥१५८॥
कि अचलं प्रकास हैं॥
कि अमितो सुबास हैं॥
कि अजब सरूप हैं॥
कि अमितो बिभूत हैं॥१५९॥
कि अमितो पसा हैं॥
कि आतम प्रभा हैं॥
कि अचलं अनंग हैं॥

कि अमितो अभंग हैं॥१६०॥

मधुभार छंद॥ त्व प्रसादि॥

मुनि मन प्रनाम॥
गुनि गन मुदाम॥
अरि बर अगंज॥
हरि नर प्रभंज॥१६१॥
अन गन प्रनाम॥
मुन मन सलाम॥
हर नर अखंड॥
बर नर अमंड॥१६२॥
अनुभव अनास॥
मुनि मन प्रकास॥

गुन गन प्रनाम॥
जल थल मुदाम॥१६३॥
अनछिज अंग॥
आसन अभंग॥
उपमा अपार॥
गति मिति उदार॥१६४॥
जल थल अमंड॥
दिव विस अभंड॥
जल थल महंत॥
दिस विस बिहंत॥१६५॥
अनुभव अनास॥
धित धर धुरास॥
आजान बाहु॥

एकै सदाहु॥१६६॥
ओअंकारि आदि॥
कथनी अनादि॥
खल खंड ख्याल॥
गुर बर अकाल॥१६७॥
घर घर प्रनाम॥
चित चरन नाम॥
अनछिज गात॥
आजिज़ न बात॥१६८॥
अनझंझ गात॥
अनरंज बात॥
अनटुट भंडार॥
अनठट अपार॥१६९॥

आडीठ धरम॥
अति ढीठ करम॥
अणब्रण अनंत॥
दाता महंत॥१७०॥

हरि बोलमना छंद॥ त्व प्रसादि॥

करुणालय हैं॥
अरि घालय हैं॥
खल खंडन हैं॥
महि मंडन हैं॥१७१॥
जगतेस्वर हैं॥
परमेस्वर हैं॥
कलि कारन हैं॥

सरब उबारन हैं॥१७२॥

धित के धरन हैं॥

जग के करन हैं॥

मन मान्य हैं॥

जग जान्य हैं॥१७३॥

सरबं भर हैं॥

सरबं कर हैं॥

सरब पासिय हैं॥

सरब नासिय हैं॥१७४॥

करुणाकर हैं॥

बिस्वंभर हैं॥

सरबेस्वर हैं॥

जगतेस्वर हैं॥१७५॥

ब्रहमंडस हैं॥
खल खंडस हैं॥
पर ते पर हैं॥
करुणा कर है॥१७६॥
अजपा जप हैं॥
अथपा थप हैं॥
अक्रिता क्रित हैं॥
अम्रिता म्रित हैं॥१७७॥
अम्रिता म्रित हैं॥
करुणा क्रित हैं॥
अक्रिता क्रित हैं॥
धरणी धित हैं॥१७८॥
अम्रितेस्वर हैं॥

परमेस्वर हैं॥
अक्रिता क्रित हैं॥
अम्रिता म्रित हैं॥१७६॥
अजबा क्रित हैं॥
अम्रिता म्रित हैं॥
नर नाइक हैं॥
खल घाइक हैं॥१८०॥
बिस्वंभर हैं॥
करुणालय हैं॥
न्रिप नाइक हैं॥
सरब पाइक हैं॥१८१॥
भव भंजन हैं॥
अरि गंजन हैं॥

रिपु तापन हैं॥
जपु जापन हैं॥१८२॥
अकलं क्रित हैं॥
सरबा क्रित हैं॥
करता कर हैं॥
हरता हर हैं॥१८३॥
परमातम हैं॥
सरबातम हैं॥
आतम बस हैं॥
जस के जस हैं॥१८४॥

भुजंग प्रयात छंद॥

नमो सूरज सूरजे
नमो चंद्र चंद्रे॥

नमो राज राजे
नमो इंद्र इंद्रे॥
नमो अंधकारे
नमो तेज तेजे॥
नमो ब्रिंद ब्रिंदे
नमो बीज बीजे॥१८५॥
नमो राजसं तामसं सांत रूपे॥
नमो परम ततं अततं सरूपे॥
नमो जोग जोगे॥
नमों ज्ञान ज्ञाने॥
नमो मंत्र मंत्रे
नमो ध्यान ध्याने॥१८६॥
नमो जुद्ध जुद्ध

नमो ज्ञान ज्ञाने॥
नमो भोज भोजे
नमो पान पाने॥
नमो कलह करता
नमो सांत रूपे॥
नमो इंद्र इंद्रे
अनादं बिभूते॥१८७॥
कलंकार रूपे
अलंकार अलंके॥
नमो आस आसे
नमो बांक बंके॥
अभंगी सरूपे
अनंगी अनामे॥

त्रिभंगी त्रिकाले
अनंगी अकामे॥१८८॥

एक अछरी छंद॥

अजै॥ अलै॥
अभै॥ अबै॥१८६॥
अभू॥ अजू॥
अनास॥ अकास॥१६०॥
अगंज॥ अभंज॥
अलख॥ अभक्ख॥१६१॥
अकाल॥ दिआल॥
अलेख॥ अभेख॥१६२॥
अनाम॥ अकाम॥

अगाह॥ अढाह॥१६३॥

अनाथे॥ प्रमाथे॥

अजोनी॥ अमोनी॥१६४॥

न रागे॥ न रंगे॥

न रूपे॥ न रेखे॥११५॥

अकरमं॥ अभरमं॥

अगंजे॥ अलेखे॥१६६॥

भुजंग प्रयात छंद॥

नमसतुल प्रणामे

समसतुल प्रणासे॥

अगुंजल अनामे॥

समसतुल निवासे॥

त्रिकामं बिभूते
समसतुल सरूपे॥
कुकरमं प्रणासी
सुधरमं बिभूते॥१६७॥
सदा सचिदानंद
सत्रं प्रणासी॥
करीमुल कुनिंदा
समसतुल निवासी॥
अजाइब बिभूते
गजाइब ग़नीमे॥
हरीअं करीअं
करीमुल रहीमे॥१६८॥
चत्र चक्र वरती

चत्र चक्र भुगते॥
सुयंभव सुभं
सरबदा सरब जुगते॥
दुकालं प्रणासी
दिआलं सरूपे॥
सदा अंग संगे
अभंगं बिभूते॥१६६॥

बाबा विरसा सिंह जी